नईदुनिया

महिंद्रा कर रही है एसएमएल इसुजु लिमिटेड का टेकओवर, हिस्सेदारी खरीदने का किया ऐलान

नई दिल्ली

महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड ने एसएमएल इसुजु लिमिटेड में 58.96 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने का ऐलान किया है। महिंद्रा एंड महिंद्रा इस डील के तहत 650 रुपये प्रति शेयर के हिसाब से कुल 555 करोड़ रुपये खर्च करेगी। इसके अतिरिक्त, महिंद्रा एंड महिंद्रा, सेबी के नियमों के अनुसार, टेकओवर के लिए ओपन ऑफर भी लाएगी। यह जानकारी महिंद्रा एंड महिंद्रा ने शनिवार को साझा की है।

महिंद्रा एंड महिंद्रा, एसएमएल इसुजु लिमिटेड के प्रमोटर सुमितोमो कॉर्पोरेशन से 43.96 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदेगी, जबकि 15 प्रतिशत हिस्सेदारी कंपनी के सार्वजनिक शेयरधारकों से खरीदी जाएगी। इसके बाद, महिंद्रा को 26 प्रतिशत और हिस्सा खरीदने के लिए ओपन ऑफर लाना होगा, जो सेबी के नियमों के अनुसार आवश्यक है।

यह अधिग्रहण महिंद्रा एंड महिंद्रा की 3.5 टन कॉमर्शियल सेगमेंट में स्थिति को और मजबूत करेगा। वर्तमान में महिंद्रा का इस सेगमेंट में 3 प्रतिशत हिस्सा है। 3.5 टन एलसीवी (लाइट कॉमर्सियल व्हीकल) सेगमेंट में महिंद्रा की हिस्सेदारी 52 प्रतिशत है, और इस अधिग्रहण के बाद उनका मार्केट शेयर 6 प्रतिशत तक बढ़ जाएगा।

एसएमएल इसुजु लिमिटेड एक स्थापित और लोकप्रिय ब्रांड है और भारत भर में इसकी मजबूत पकड़ बनी हुई है। कंपनी आइएलसीवी (इंटरमीडिएट एंड लाइट कॉमर्सियल व्हीकल) सेगमेंट में प्रमुख खिलाड़ी है और बस सेगमेंट में इसका 16 प्रतिशत का बाजार हिस्सा है। वित्त वर्ष 2024 में, एसएमएल इसुजु लिमिटेड का ऑपरेटिंग रेवेन्यू 2,196 करोड़ रुपये था, जबकि इसका इबीआईटीडीए 179 करोड़ रुपये रहा था। यह अधिग्रहण महिंद्रा एंड महिंद्रा के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है, जो उसकी कॉमर्शियल व्हीकल सेगमेंट में स्थिति को और मजबूत करेगा।

न्यूज ब्रीफ

ट्रेड वॉर के बीच एप्पल की बदली रणनीति से चीन को लगा बड़ा झटका

नई दिल्ली। अमेरिका और चीन के बीच चल रहे व्यापारिक तनाव (ट्रेड वॉर) के बीच एप्पल ने अपनी रणनीति में महत्वपूर्ण बदलाव किया है। कंपनी ने योजना बनाई है कि अगले साल तक अमेरिका में बिकने वाले तमाम आईफोन भारत में ही बनाए जाएं। यह कदम चीन से आयात पर बढ़े हुए टैरिफ और व्यापारिक तनाव को देखते हुए उठाया गया है। एप्पल कंपनी वर्तमान में चीन और भारत दोनों ही जगह आईफोन का उत्पादन करवा रही है, लेकिन चीन से आयात महंगा होने के कारण अब कंपनी भारत में अपने उत्पादन को बढ़ा रही है। कंपनी के प्रमुख कॉन्ट्रैक्ट मैन्युफैक्चरर्स, जैसे फॉक्सकॉन, बेंगलुरु में अपने प्लांट की क्षमता को बढ़ा रहे हैं। फॉक्सकॉन का नया प्लांट इस महीने के अंत तक शुरू होने की उम्मीद है, जिसकी वार्षिक उत्पादन क्षमता 20 मिलियन आईफोन तक हो सकती है। सूत्रों के अनुसार, यदि यह रणनीति सफल होती है, तो 2026 तक भारत में सालाना आईफोन उत्पादन 60 मिलियन यूनिट तक पहुंच सकता है, जो वर्तमान उत्पादन का लगभग दोगुना होगा। एप्पल की ग्लोबल बिक्री में अमेरिका का हिस्सा लगभग 28 प्रतिशत है, इसलिए यह कदम कंपनी की लॉजिस्टिक्स रणनीति और प्रॉफिट मार्जिन पर सकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। एप्पल का यह कदम व्यापारिक रणनीति में महत्वपूर्ण बदलाव को दर्शाता है, जो न केवल भारत को एक प्रमुख मैन्युफैक्चरिंग हब के रूप में स्थापित कर सकता है, बल्कि चीन के प्रति कंपनी की निर्भरता को भी कम कर सकता है।

नोकिया सॉल्यूशंस ने कर्ज में डूबी वोडाफोन आइडिया में एक प्रतिशत हिस्सेदारी 786 करोड़ रुपए में बेची

नई दिल्ली। नोकिया सॉल्यूशंस एंड नेटवर्क्स इंडिया ने कर्ज में डूबी दूरसंचार कंपनी वोडाफोन आइडिया लिमिटेड (वीआईएल) में अपनी करीब एक प्रतिशत हिस्सेदारी शुक्रवार को 786 करोड़ रुपए में बेच दी है। एनएसई (नेशनल स्टॉक एक्सचेंज) पर उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, नोकिया सॉल्यूशंस एंड नेटवर्क्स इंडिया ने 102.70 करोड़ शेयर बेचे, जो वोडाफोन आइडिया में लगभग 0.95 प्रतिशत हिस्सेदारी के बराबर हैं। इन शेयरों को औसतन 7.65 रुपए प्रति शेयर की कीमत पर बेचा गया, जिससे कुल सौदे की कीमत 785.67 करोड़ रुपए हुई। इस बीच, गोल्डमैन सैक्स, जो एक वैश्विक निवेश कंपनी है, ने वोडाफोन आइडिया में 59.86 करोड़ शेयर यानी 0.55 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदी। वोडाफोन आइडिया के शेयरों के अन्य खरीदारों का विवरण अभी तक सामने नहीं आया है।
पिछले साल जून में, वोडाफोन आइडिया ने घोषणा की थी कि वह नोकिया इंडिया और एरिक्सन इंडिया को उनके आंशिक बकाये का भुगतान करने के लिए 2,458 करोड़ रुपए के शेयर आवंटित करेगी। इस सौदे से नोकिया सॉल्यूशंस को वोडाफोन आइडिया में अपनी हिस्सेदारी बेचने के रूप में एक महत्वपूर्ण वित्तीय लाभ हुआ है, जबकि गोल्डमैन सैक्स जैसे निवेशक इस अवसर का लाभ उठाते हुए वोडाफोन आइडिया में निवेश कर रहे हैं।

व्हाटसऐप का नया फीचर एडवांस्ड चैट प्राइवेसी लॉन्च

नई दिल्ली। प्राइवेसी सेटिंग्स को और मजबूत करते हुए व्हाटसऐप ने एक नया फीचर एडवांस्ड चैट प्राइवेसी लॉन्च किया है। यह नया अपडेट पर्सनल और ग्रुप चैट दोनों पर लागू होगा। यह फीचर खासतौर पर यूजर्स की निजी बातचीत की सुरक्षा को और बेहतर बनाने के लिए लाया गया है। यूजर को यह फीचर भरोसा देगा कि उनकी बातचीत ऐप के अंदर ही पूरी तरह सुरक्षित रहे। व्हाटसऐप ने स्पष्ट किया है कि उनकी प्राइवेसी की नींव अब भी एंड-टू-एंड एन्क्रिप्शन पर टिकी है, जो पहले से ही यह सुनिश्चित करता है कि मैसेज और कॉल्स केवल भेजने और प्राप्त करने वाले ही देख या सुन सकें। लेकिन अब 'एडवांस्ड चैट प्राइवेसी' फीचर इस सुरक्षा लेयर को और मजबूत करता है। इस फीचर को ऑन करने के बाद चैट्स को एक्सपोर्ट नहीं किया जा सकेगा और मीडिया फाइल्स ऑटोमैटिक डाउनलोड नहीं होंगी। यह फीचर उन लोगों के लिए बेहद उपयोगी साबित होगा जो अपनी प्राइवेट बातचीत को और भी ज्यादा सुरक्षित रखना चाहते हैं। यह नया फीचर व्हाटसऐप के लेटेस्ट वर्जन के साथ सभी यूजर्स के लिए धीरे-धीरे जारी किया जा रहा है। जिन यूजर्स को अभी यह सेटिंग नहीं दिख रही है, वे गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से व्हाटसऐप को अपडेट कर सकते हैं ।

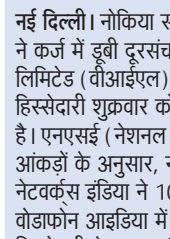

बजाज आलियान्ज़ जनरल इंश्योरेंस ने क्लाइमेटसेफ पेश किया

- मौसम जनित जोखिमों के खिलाफ तुरंत क्लेम देने और मनमाफिक सुरक्षा देने वाला बीमा
- पॉलिसी तुरंत जारी, पूरी तरह से डिजिटल
- ग्राहक साल में कई पॉलिसियां खरीद सकते हैं
- जोखिम अवधि एक दिन जितनी कम हो सकती है
- दावे ऑटोमैटिक से 7 दिनों के भीतर निपटाए जाते हैं

पुणे

भारत की प्रमुख निजी जनरल इंश्योरेंस कंपनियों में से एक बजाज आलियान्ज़ जनरल इंश्योरेंस ने क्लाइमेटसेफ नामक एक नया बीमा प्रोडक्ट लॉन्च किया है। जलवायु परिवर्तन से जुड़ी घटनाओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए, यह प्रोडक्ट उन लोगों को वित्तीय सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से तैयार किया गया है जो इसके प्रभावों से सबसे ज्यादा जद में आते हैं। यह बीमा विशेष रूप से खुदरा ग्राहकों, ऑफिस जाने वालों, ऑटो/टैक्सी चालकों, खुदरा दुकान मालिकों, डिलीवरी एजेंटों, घरेलू सेवा देने वाले प्रोफेशनल, गिग वर्कर्स, घरों में रहने वालों और कार्यक्रमों में भाग लेने वालों की जरूरतों को ध्यान में रखकर बनाया गया है, जिन्हें ज्यादा गर्मी, ठंडी लहरों और भारी बारिश जैसी जलवायु घटनाओं के कारण इनकम में कमी या खर्चों में वृद्धि का सामना करना पड़ता है।

क्लाइमेटसेफ इंश्योरेंस में उन स्थितियों को कवर किया गया है जिनमें अत्यधिक गर्मी के कारण बढ़े हुए बिजली बिल, यात्रा में अप्रत्याशित खर्च, खराब मौसम के कारण ग्राहकों की संख्या में कमी से बिक्री में गिरावट, बाढ़ के कारण सप्लाई चेन में देरी, लंबे समय तक बारिश से होने वाले रिसाव, भारी बारिश के कारण दुर्घटनाएं, गंभीर मौसम के कारण डेली वेज वर्कर्स के इनकम में नुकसान, बाढ़ और गर्मी की लहरों से घरेलू सामानों की क्षति, और खराब मौसम के कारण प्रोग्राम का कैन्सल हो जाना शामिल हैं। क्लाइमेटसेफ एक नया और आसान बीमा प्रोडक्ट है, जिसे ग्राहक साल में कई बार खरीद सकते हैं। इसमें क्लेम बिना किसी ज्यादा सूचना और कम से कम डॉक्युमेंट्स के साथ

ऑटोमैटिक सात दिनों के भीतर निपटा दिए जाते हैं। यह बीमा प्रोडक्ट वास्तविक समय के मौसम डेटा के आधार पर प्रीमियम और कवरेज प्रदान करता है। ग्राहक अपनी सुविधा के अनुसार जोखिम स्थान, जोखिम अवधि (1 दिन से 30 दिन तक), मौसम जोखिम (अत्यधिक बारिश, कम तापमान, उच्च तापमान) और बीमित राशि का चयन कर सकते हैं। यह बीमा कवर बजाज आलियान्ज़ जनरल इंश्योरेंस की वेबसाइट, मोबाइल ऐप, और उनके अन्य डिस्ट्रिब्यूशन चैनलों से खरीदा जा सकता है।

क्लाइमेटसेफ की घोषणा पर बोलते हुए बजाज आलियान्ज़ जनरल इंश्योरेंस के प्रबंध निदेशक और सीईओ डॉ. तपन सिंघल ने कहा, जलवायु परिवर्तन से हर किसी का सामना होता राहत है। बेशक यह हमारे रोजमर्रा के जीवन को अक्सर मुश्किल भरे तरीकों से प्रभावित करता है। मौसम में उतार चढ़ाव के कारण फ्लाइट के कैन्सल होने से लेकर लॉजिस्टिक्स, सप्लाई चेन और दैनिक यात्राओं में देरी तक, और जलवायु से संबंधित घटनाओं का फाइनैन्शल और ईमोशनल प्रभाव लगातार बढ़ता जा रहा है।

ग्राहकों के लिए खास ऑफर्स लेकर आई मारुति सुजुकी

नई दिल्ली। चालू महीने में मारुति सुजुकी ने अपनी बलेनो कार पर ग्राहकों के लिए खास ऑफर्स लेकर आई है। बलेनो, ह्यूदै आई20, टाटा अल्ट्राज और टोयोटा ग्लाझा जैसी कारों से प्रतिस्पर्धा करती है और लंबे समय से इस श्रेणी में सबसे ज्यादा बिकने वाली कार रही है। बलेनो की कीमत रुपए 6,70,000 से रुपए 9,92,000 (एक्स-शो रुम) तक है और इस पर कुल रुपए 57,100 तक के ऑफर्स उपलब्ध हैं। इनमें रिगल किट रुपए 42,280 और अतिरिक्त रुपए 27,100 के ऑफर्स शामिल हैं। मारुति ने एफवाय25 में बलेनो की 1,67,161 यूनिट्स बेचीं, जबकि पिछले वित्तीय वर्ष (एफवाय24) में यह आंकड़ा 1,95,607 यूनिट्स था। हालांकि, हाल ही में लॉन्च हुई बलेनो पर आधारित मारुति सुजुकी फ्रॉन्स ने कुछ हद तक बलेनो की बिक्री को प्रभावित किया है। इन दोनों कारों में समान पावरट्रेन और इंटीरियर्स का इस्तेमाल किया गया है। बलेनो में 1.2-लीटर ड्यूल-जेट ड्यूल-वीवीटी पेट्रोल इंजन है, जो 89.73 पीएस की पावर और 113एनएम का टॉर्क उत्पन्न करता है। इसके अलावा, इसमें 5-स्पीड मैन्युअल और 5-स्पीड एएमटी ट्रांसमिशन के विकल्प भी हैं। बलेनो का सीएनजी विकल्प भी उपलब्ध है, जो 77.5पीएस और 98.5 एनएम के साथ आता है।

अश्विनी वैष्णव ने इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरण बनाने वाली कंपनियों को सरकार की प्रोत्साहन योजना का लाभ उठाने डिजायन टीम बनाने की दी सलाह

नई दिल्ली

इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को कहा कि इलेक्ट्रॉनिक उपकरण बनाने वाली कंपनियों को सरकार की प्रोत्साहन योजना का लाभ उठाने के लिए डिजायन टीम बनानी होगी और अपने उत्पादों की गुणवत्ता को उच्चतम स्तर तक पहुंचाना होगा।

मंत्री ने यह भी कहा कि इलेक्ट्रॉनिक्स कल-पुर्जों की विनिर्माण योजना (ईसीएमएस) के तहत कंपनियों की मंजूरी देने से पहले इन दोनों कारकों पर ध्यान दिया जाएगा, हालांकि इसे औपचारिक मानदंड के रूप में नहीं रखा जाएगा।

वैष्णव ने कहा, मैं इस योजना में भाग लेने वाली हर कंपनी से डिजायन टीम बनाने का अनुरोध करता हूं। हालांकि, इसे औपचारिक मानदंड नहीं बनाया गया है, यह एक अनौपचारिक मानदंड के रूप में देखा जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि कुछ कंपनियों ने अपनी डिजायन टीम में 5,000 इंजीनियर शामिल किए हैं।

मंत्री ने स्पष्ट किया, यदि आपके पास डिजायन टीम नहीं है और आप सभी आवश्यक मापदंडों को पूरा कर रहे हैं, तब भी हम आपको मंजूरी नहीं देंगे। डिजायन टीम बनानी ही होगी।

इसके साथ ही मंत्री ने उत्पादों की गुणवत्ता पर भी जोर दिया। उन्होंने कंपनियों से आग्रह किया कि वे सिक्स सिग्मा गुणवत्ता स्तर हासिल करें, जो उच्चतम गुणवत्ता और दक्षता को दर्शाता है।

उन्होंने कहा, सिक्स सिग्मा से कम कुछ भी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। हम केवल विनिर्माण की मात्रा पर नहीं, बल्कि उत्पादों की गुणवत्ता पर भी आपकी प्रगति का मूल्यांकन करेंगे।

सिक्स सग्मा से आशय

सिक्स सिग्मा से आशय है एक ऐसी गुणवत्ता प्रक्रिया, जिसका उद्देश्य त्रुटियों को न्यूनतम करना, विविधताओं को दूर करना और गुणवत्ता एवं दक्षता को बढ़ाना है।

मंत्री अश्विनी वैष्णव का यह बयान कंपनियों को यह संदेश देता है कि सिर्फ मापदंडों को पूरा करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उच्च गुणवत्ता और बेहतर डिजायन प्रक्रिया पर भी ध्यान देना आवश्यक होगा, यदि वे सरकार की प्रोत्साहन योजना का लाभ उठाना चाहती हैं।

शंघाई में इंटरनेशनल ऑटोमोबाइल प्रदर्शनी

शंघाई में लोग इंटरनेशनल ऑटोमोबाइल प्रदर्शनी में चीनी कार ब्रांड जेटोर को देखते हुए लोग।

शुरुआती बुकर्स को बुकिंग राशि वापस कर रही टेस्ला

मुंबई

टेस्ला इंक के भारतीय कार्यालय ने देश में अपने मॉडल 3 के शुरुआती बुकर्स को बुकिंग राशि वापस करनी शुरु की है। रिपोर्ट के मुताबिक, कंपनी ने 2016 में किए गए रिजर्वेशन को रिफंड करना शुरू किया है। इससे अटकलें तेज हैं कि टेस्ला अब भारत में अपनी गाड़ियों की बिक्री शुरू करने को तैयार है।

टेस्ला की ओर से ग्राहकों को भेजे ईमेल में कहा गया है, हम फिलहाल आपकी बुकिंग राशि वापस करना चाहते हैं। जब हम भारत में अपने ऑफर्स को अंतिम रूप देने के बाद फिर आपसे संपर्क करने वाले है। एलन मस्क के नेतृत्व वाली टेस्ला इंक पुराने मॉडल 3 वर्जन के बंद होने के कारण यह रिफंड दे रही है।

कंपनी की ओर से ये ईमेल संकेत देते हैं कि टेस्ला भारत में उच्च इम्पोर्ट ड्यूटी को लेकर वर्षों से चली आ रही अड़चनों के बाद अब भारतीय बाजार में आने को तैयार है। मस्क ने हाल ही में पोस्ट करते हुए कहा कि वह इस साल के अंत तक भारत का दौरा करुंगा। यह ऐलान तब हुआ जब भारत और अमेरिका के बीच एक नए व्यापार समझौते पर बातचीत चल रही है, जिसमें कारों पर टैरिफ घटाने पर भी चर्चा हो रही है। अगर भारत में टैरिफ स्ट्रक्चर को ज्यादा अनुकूल बनाया गया, तब यह टेस्ला की दीर्घकालिक योजनाओं को नया आकार दे सकता है। गौरतलब है कि बीते साल टेस्ला की वैश्विक वाहन डिलीवरी में एक दशक से ज्यादा समय में पहली बार गिरावट दर्ज की गई, जबकि चीन की बीवॉयडी कंपनी टेस्ला के लिए बड़ी चुनौती बनकर उभरी है। भारत के लिए टेस्ला कारों की सड़क पर मौजूदगी बढ़ती समृद्धि वाले अपर मिडिल क्लास को आकर्षित कर सकती है। हालांकि, इसका खतरा भी है कि इससे देशी कार निर्माताओं पर असर पड़ेगा, जो देश भर में हजारों लोगों को रोजगार देते हैं।

भारतीय मादक पेय पदार्थों के लिए वैश्विक बाजारों में काफी मौके : देव

नई दिल्ली

एपीडा (एग्रीकल्चर एंड प्रोसेस्ड फूड प्रोडक्ट एक्सपोर्ट डेवलपमेंट अथॉरिटी) के चेयरमैन अभिषेक देव ने इस संभावनाओं पर जोर दिया है और कहा कि भारतीय मादक पेय पदार्थों के लिए वैश्विक बाजारों में काफी मौके हैं। भारत में बनने वाली शराब की दुनियाभर में मांग तेजी से बढ़ने की उम्मीद जताई जा रही है, और इसका निर्यात 37 करोड़ डॉलर से बढ़कर 2030 तक एक अरब डॉलर तक पहुंच सकता है।

उन्होंने बताया कि भारत के पास जिन, बीयर, वाइन और रम जैसे उच्च गुणवत्ता वाले उत्पाद मौजूद हैं, जिनकी मांग वैश्विक स्तर पर बढ़ रही है। देव ने भारतीय मादक पेय कंपनियों के परिसंघ (सीआईएबीसी) द्वारा आयोजित एल्कोबेव इंडिया सम्मेलन में कहा, हमारे पास विभिन्न प्रकार के जिन, बीयर, वाइन और रम जैसे अच्छे उत्पाद हैं, जिनकी निर्यात संभावनाएं बहुत अधिक हैं। उन्होंने उद्योग को यह भी सलाह दी कि वे निर्यात को बढ़ावा देने के लिए नए बाजारों की तलाश करें और घरेलू बाजार से संतुष्ट न रहें। एपीडा के चेयरमैन ने यह भी बताया कि भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच जैविक उत्पादों के लिए आपसी मान्यता समझौता फाइनल होने के करीब है, और इसमें जैविक वाइन भी शामिल है, जो निर्यात के अवसरों को और बढ़ाएगी। इस अवसर पर खाद्य प्रसंस्करण सचिव सुब्रत गुप्ता ने भी उद्योग से आग्रह किया कि वह मूल्यवर्धित उत्पादों पर ध्यान केंद्रित करें और फलों तथा सब्जियों की बर्बादी को रोकने के उपायों को बढ़ावा दें। गुप्ता ने कहा, भारत कृषि उत्पादों का प्रमुख उत्पादक है, लेकिन प्रसंस्करण की क्षमता में हम पीछे हैं। इसके साथ ही उन्होंने मादक पेय पदार्थों के निर्यात को बढ़ाने के लिए जोर दिया और कहा कि इससे भारत को बहुमूल्य विदेशी मुद्रा प्राप्त होगी।

पोर्टफोलियो में अल्ट्रोज सीएनजी फेसलिफ्ट वर्जन जोड़ने की योजना

नई दिल्ली। स्वदेशी टाटा मोटर्स कंपनी अपने पोर्टफोलियो में अल्ट्रोज सीएनजी फेसलिफ्ट वर्जन जोड़ने की योजना बना रही है। हाल ही में इस कार को टेस्टिंग के दौरान देखा गया और पुणे में रोड टेस्ट के दौरान इसकी स्पाई फोटोज भी सामने आई हैं। इसे इस साल के अंत तक लॉन्च किए जाने की उम्मीद है। अल्ट्रोज सीएनजी फेसलिफ्ट में कई बदलाव देखने को मिल सकते हैं। फ्रंट फेसिया में प्रमुख अपडेट हैं, जैसे शार्प लाइटिंग सेटअप और ग्रिल-बम्पर में बदलाव। इन अपडेट्स से यह हैचबैक और भी स्पोर्टी नजर आएगी। टेस्टिंग व्हीकल में स्टील व्हील का उपयोग किया गया है, जो निचले वैरिएंट को दर्शाता है। वहीं, पिछले हिस्से में रिफ्रेश की गई एलईडी टेल लाइट और अपडेटेड बंपर होने की संभावना है। इंटीरियर्स में भी बदलाव किए गए हैं, जैसे कि एसी वेंट्स पर पियानो ब्लैक फिनिश और नया टू-स्पोक स्टीयरिंग व्हील जिसमें इल्यूमिनेटेड टाटा लोगो है।सीएनजी मोड में यह इंजन 73.5 पीएस पावर और 103 एनएम टॉर्क जनरेट करता है। यह 5-स्पीड मैनुअल ट्रांसमिशन के साथ उपलब्ध रहेगा। पेट्रोल और डीजल वेरिएंट्स में भी वही इंजन ऑप्शंस रहेंगे। अल्ट्रोज सीएनजी फेसलिफ्ट, मारुति बलेनो सीएनजी वेरिएंट को टक्कर देती रहेगी, जिसमें 1.2-लीटर डुअल-फ्यूल इंजन है। इसके अलावा, फेसलिफ्ट में वेंटिलेटेड फ्रंट सीट्स, नई 10.2-इंच इंस्ट्रूमेंट स्क्रीन, अपडेटेड एम्बिएंट लाइटिंग, और पावर्ड ड्राइवर सीट जैसी सुविधाएं मिल सकती हैं। सुरक्षा के मामले में सभी वैरिएंट्स में 6 एयरबैग और कैमरा-बेस्ड अडास फीचर्स स्टैंडर्ड हो सकते हैं। टाटा अल्ट्रोज सीएनजी में वही 1.2-लीटर डुअल-फ्यूल इंजन रहेगा, जो मौजूदा मॉडल में है।